

**सन्निरोध** पुं. (तत्.) 1. किसी वस्तु का अनुपयुक्तता की दृष्टि से उचित निरोधन, रोक 2. दमन 3. बाधा 4. दंडानुरूप कैद 5. संकीर्ण मार्ग।

**सन्निवास** पुं. (तत्.) 1. मिल-जुलकर साथ रहना 2. उचित निवास, उत्तम वास स्थान 3. पक्षियों का घोंसला।

**सन्निविष्ट** वि. (तत्.) 1. अच्छी तरह साथ बैठा हुआ 2. जिसे एकत्र किया गया हो 3. समाया हुआ, समावेश किया हुआ 4. जो प्रविष्ट हो चुका हो 5. जिसने पडाव डाला हुआ हो 6. जोड़ा हुआ, बढ़ाया हुआ।

**सन्निवेशन** पुं. (तत्.) 1. उचित या उत्तम समावेश करना या कराना 2. किसी को प्रवेश कराना या प्रवेश करना 3. लाभ या बचत आदि के उद्देश्य से किसी वस्तु, धन आदि को लगाना, जमा करना 4. उचित स्थान पर रखना 5. निवास गृह, मकान 6. मिलना।

**सन्निवेशित** वि. (तत्.) जिसका उत्तम प्रकार से निवेश किया गया हो या कराया गया हो।

**सन्निहित** वि. (तत्.) 1. ठीक प्रकार से पास में रखा हुआ 2. पास में स्थित 3. जो किसी के अंतर्गत हो, विद्यमान हो, समाविष्ट, सम्मिलित 4. ठहराया या टिकाया हुआ।

**सन्नी** स्त्री. (तत्.) 1. सन की जाति का एक पौधा जो बागों में शोभा के लिए लगाया जाता है 2. सन से बुना हुआ कपड़ा वि. सन या पटसन से बना हुआ।

**सन्मन** पुं. (तत्.) शुद्धमन, रागद्वेष आदि से रहित निश्छल चित्त।

**संपंक** वि. (तत्.) 1. जो कीचड़ युक्त हो, कीचड़ से भरा हुआ 2. जिसे पार करना सहज न हो 3. बीहड़, विकट।

**सपई** स्त्री. (तत्.) 1. पेट में होने वाला केंचुआ, एक प्रकार का कीड़ा 2. बेले का फूल।

**सपक्षी** वि. (तत्.) 1. पंखदार, डैनों वाला 2. एक ही पक्ष वाला अर्थात् समान पक्ष वाला 3. दो पक्षों

में से कोई एक पक्ष वाला 4. एक सदृश, एक जातीय 5. ला.अर्थ जिसमें साध्य या अनुमान का विषय हो पुं. सहायक समर्थक, सजातीय व्यक्ति, वह दृष्टांत जिसमें साध्य हो।

**सपचना** अ.क्रि. (तत्.) पूरा होना।

**सपटा** पुं. (तत्.) 1. एक तरह का टाट 2. एक तरह की पेटारी 3. सफेद कचनार।

**सपत्न** पुं. (तत्.) वैरी, दुश्मन वि. शत्रुता का भाव रखने वाला, शत्रु।

**सपत्ना** स्त्री. (तत्.) 1. शत्रुता, शत्रु होने का भाव।

**सपत्नी** स्त्री. (तत्.) 1. प्रथम पत्नी की दृष्टि से पति की अन्य पत्नी, सौत 2. प्रेमी की दूसरी प्रेमिका।

**सपत्नीक** वि. (तत्.) जो पत्नी के साथ हो।

**सपदि** क्रि.वि. (तत्.) 1. शीघ्र, जल्दी-जल्दी (चलते हुए) 2. तत्काल, तुरत उदा. नाहिं त सपदि मानु मम बानी' -तुलसी-रा.च.मा. 5/10।

**सपना** पुं. (तद्.) स्वप्न, सपना ला.अर्थ. कल्पना।

**सपनाना** अ.क्रि. (तद्.) स्वप्न देखना, स्वप्न दिखलाना स.क्रि. किसी के द्वारा सपनों में दिखया जाना, किसी का सपने में आना ला.अर्थ सपना दिखाना।

**सपनौती** स्त्री. (तद्.) स्वप्न में होने वाली बातचीत।

**सपरना** अ.क्रि. (देश.) 1. किसी कार्य का पूरा हो जाना, निबटना 2. किसी कार्य का करना संभव हो सकना 3. किसी कार्य को संपादित करके निपटना 4. (बुंदले) नहाना, स्नान करना।

**सपरिकर** वि. (तत्.) सेवकों का अनुचरों से युक्त। सदलबल।

**सपरिच्छद** वि. (तत्.) तैयारी के साथ, दलबल के साथ, ठाट-बाट के साथ।

**सपरिजन** वि. (तत्.) 1. परिवार के सदस्यों के साथ, सपरिवार 2. सेवकों या अनुचरों के साथ 3. आश्रित जनों के सहित।